1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

घ धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

1— मनुस्मृति अध्याय 7—12 — 25 (30) अंक
2— याज्ञवल्क्यस्मृति व्यवहाराध्याय — 25 (30) अंक
3— कौटलीय अर्थ शास्त्र
तृतीय अधिकरण मात्र — 30(40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

पंचम पत्र : अंग्रेजी
पाठ्यक्रम— हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी०ए० द्वितीय वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान

षष्ठ पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक
विषय : हिन्दी, इतिहास, अथवा राजनीति शास्त्र ।
पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी०ए०द्वितीय वर्ष के हिन्दी /इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र के समान ।

शास्त्री / विशिष्ट शास्त्री तृतीय वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर — 80
प्राईवेट — 100

व्याकरण : सिद्धान्त (भट्टोजिदीक्षित कृत) के निम्न प्रकरण :

क : कृदन्त — 25 (30) अंक
ख : उणादि प्रकरण — 25 (30) अंक
ग : तद्धित प्रकरण — 30 (40) अंक

अंक विभाजन तथा निर्देश

क	1	कृदन्त : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियॉ	15 (20) अंक
	2	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (10) अंक
ख	1	उणादि : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियॉ	15 (20) अंक
	2	4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (10) अंक
ग	1	तद्धित : 10 में से 5 रूपों की सिद्धियॉ	20 (25) अंक
	2	: 4 में से 2 सूत्रों की व्याख्या	10 (15) अंक

विशेष : सूत्रों तथा सिद्धियों के अर्थ एवं उदाहरण तथा प्रत्युदाहरण से उनकी संगति अपेक्षित है ।

परीक्षक के लिए निर्देश :—

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

द्वितीय पत्र :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

साहित्य शास्त्र
काव्यप्रकाश

परीक्षक के लिए निर्देश :– 80 (100) अंक

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

तृतीय पत्र : इतिहास, निबन्ध तथा अनुवाद

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क संस्कृत साहित्य का इतिहास :
रामायण , महाभारत, काव्यनाटक,गद्य तथा कथा साहित्य

ख निबन्ध : 35 (50) अंक
लगभग 500 शब्दों का स्वरचित संस्कृत में निबन्ध

ग अनुवाद : 25 (30) अंक
हिन्दी से संस्कृत में

परीक्षक के लिए निर्देश :– 20 (20) अंक

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों मे करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

चतुर्थ पत्र : विशेषाध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

क वेद :

1 शुक्लयजुर्वेद । वाजसेनिय माध्यन्दिन । अध्याय 31 से 40 , उवट तथा महर्षि दयानन्द कृत भाष्य सहित 25 (35) अंक
2 अथर्ववेद : पृथ्वी सूक्त 15 (15) अंक
3 शतपथ ब्राह्मण : अध्याय 1–2 15 (20) अंक
4 याज्ञवल्कीय शिक्षा 10 (10) अंक
5 वैदिक व्याकरण – पाठ्य से सम्बन्ध 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ख दर्शन :

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	वेदान्त सार	30 (40) अंक
2	प्रत्याभिज्ञा हृदयम	25 (30) अंक
3	सर्वदर्शन संग्रहः चार्वाक,बौद्ध तथा आर्हत--जैन दर्शन मात्र	25 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

ग ज्योतिष सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	सूर्यसिद्धान्त – सूर्यग्रहणान्त	50 (60) अंक
2	बृहज्जातक – सम्पूर्ण	30 (40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

घ धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	निर्णय सिन्धु परिच्छेद तीन	40 (50) अंक
2	कौटलीय अर्थ शास्त्र तृतीय भाग ,पंचम,षष्ठ एवं सप्तम अधिकरण	40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

पंचम पत्र : अंग्रेजी
पाठ्यक्रम -- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 तृतीय वर्ष के अंग्रेजी विषय के समान ।

षष्ठ पत्र : अतिरिक्त ऐच्छिक
विषय : हिन्दी, इतिहास, अथवा राजनीति शास्त्र ।

पाठ्यक्रम : हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की बी0ए0 तृतीय वर्ष हिन्दी / इतिहास अथवा राजनीति शास्त्र के समान ।

आचार्य

टिप्पणी : आचार्य परीक्षा का सम्पर्ण पाठ्यक्रम दो वर्षों का होगा । प्रत्येक वर्ष की परीक्षा प्रथम वर्ष के अन्त में तथा द्वितीय वर्ष की परीक्षा द्वितीय वर्ष के अन्त में होगी ।

वेदाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : संहिता : ऋग्वेद तथा यजुर्वेद

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 ऋग्वेद –मण्डल । सूक्त – 20
सायण तथा दयानन्द रचित भाष्य सहित — 40 (50) अंक

2 शुक्ल यजुर्वेद , माध्यन्दिन सहित अध्ययन
16,31,32,40–उव्वट तथा दयानन्द कृत भाष्य सहित — 25 (30) अंक

3 कृष्ण यजुर्वेद तैतिरीय संहिता प्रथम काण्ड
सायण भाष्य सहित — 15 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें

द्वितीय पत्र : अथर्व संहिता तथा ब्राह्मण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 अथर्व संहिता, शौनकीय काण्ड–1 सूक्त–1,
काण्ड–4,सूक्त–2,काण्ड–6, सूक्त–64,
काण्ड–9,सूक्त–1,काण्ड–10,सूक्त–8,10
काण्ड–11,सूक्त–7, काण्ड–15,
सूक्त–1, काण्ड–19,सूक्त–1,14,15,53,54
सायण भाष्य सहित — 30 (40) अंक

1 ऐतरेय ब्राह्मण–पंचिका,अध्याय 1–5
सायण भाष्य सहित — 25 (30) अंक

2 माध्यन्दिन शतपथ ब्राह्मण–काण्ड–1 — 25 (30) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–